24 न्यूज अपडेट
ई-न्यूज

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 11 जून 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 101

चौमूं-जयपुर में धरना खत्म, बनी सहमति

50 लाख रुपए मुआवजा, संविदा पर नौकरी देगी सरकार; आतंकी हमले में मारे गए थे 4 लोग

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

चौमूं (जयपुर). जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटना में मारे गए 4 लोगों के शव पहुंचते ही मुरलीपुरा (जयपुर) और चौमूं थाने के बाहर हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। चौमूं और जयपुर में चल रहा धरना मुआवजा और संविदा पर नौकरी के लिखित आश्वासन के बाद खत्म हुआ। मृतक आश्रितों को 50 लाख रुपए मुआवजा और संविदा पर नौकरी, डेयरी बूथ देने पर सहमति बनी।

इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने बाजारों को बंद करा दिया था। रास्ता जाम कर बस में तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने जाम हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया था।

ट्रेन से लाए गए थे शव

दोपहर करीब 12 बजे चौमूं थाने की सुरक्षा बढ़ा दी गई। 6 थानों की फोर्स बुलाई गई है। इसके अलावा, पुलिस लाइन से भी बड़ी संख्या में जवानों को तैनात किया गया है। उधर, प्रदर्शनकारियों ने धरना में शामिल होने पहुंचे भाजपा नेता भूपेंद्र सैनी को धक्का मारकर वहां से हटाया। इससे पहले मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे जम्मू-कश्मीर में मारे गए चौमूं (जयपुर) के परिवार के चारों शवों को ट्रेन (पूजा एक्सप्रेस) से जयपुर लाया गया। यहां से शवों को कार से भिजवाया गया।

9 जून को आतंकियों ने किया था हमला

9 जून को जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। गोली ड्राइवर को लगी और बस खाई में गिर गई थी। 10 लोगों की मौत हो गई एक ही परिवार के 4 सदस्य बने थे आतंकियों के शिकार जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में मारे गए चारों लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। हमले में राजेंद्र सैनी (42) पुत्र हनुमान सहाय सैनी निवासी वार्ड 5, पांच्यावाली ढाणी, चौमूं (जयपुर) और उनकी पत्नी ममता सैनी (40) की मौत हो गई थी। वहीं राजेंद्र के बड़े भाई ओमप्रकाश की बेटी पूजा सैनी (30) निवासी अजमेरा की ढाणी, हरमाड़ा (जयपुर) और पूजा के बेटे लिवांश उर्फ किट्टू (2) ने भी जान गंवाई है। पूजा के पति पवन सैनी (32) घायल हो गए, जिनको कटरा के नारायण हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनको अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।थी और 33 लोग घायल हुए थे। मरने वालों में 4 लोग चौमूं स्थित पांच्यावाली ढाणी और मुरलीपुरा (हरमाड़ा) के थे। एडिशनल कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप और एडीएम साउथ शैफाली कुशवाहा मुरलीपुरा थाने पहुंचीं। मुआवजे को लेकर मृतक के परिजनों को लिखित में पत्र सौंपा गया। इसमें 50 लाख रुपए, संविदा पर नौकरी और डेयरी बूथ पर सहमति बनी। इसके बाद धरना समाप्त किया गया।

चुनाव ने खोली पन्ना प्रमुखों की पोल, एक दर्जन बूथों पर खाता भी नहीं खोल पाई भाजपा

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। इस बार के लोकसभा चुनाव भी खास रहे। कइयों के दावे फेल हो गए तो कईयों की रणनीतियां पस्त होती नजर आई। भाजपा को इस बार 14 सीटों पर ही संतुष्टि करनी पड़ी है। भाजपा में बूथ लेवल पर बनाए गए अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख कमाल नहीं कर सके। कुछ बूथों पर खाता भी नहीं खुला तो सवाल उठा कि क्या उन्होंने भी भाजपा को वोट दिया के नहीं। निर्वाचन आयोग के आंकड़े यह सच्चाई बता रहे हैं। करीब आधा दर्जन लोकसभा सीटों के एक दर्जन से ज्यादा बूथ ऐसे हैं, जहां भाजपा प्रत्याशियों को शून्य वोट मिले हैं, यानी उस बूथ पर पार्टी खाता भी नहीं खोल पाई तो फिर क्या वहां पर पन्ना प्रमुख भी खुद को वोट डालने नहीं गए या किसी और को वोट डाल कर आ गए। भाजपा का दावा था कि 52 हजार बूथ स्तर पर पन्ना प्रमुख बनाए हैं, जो पार्टी को मजबूत करेंगे। अब सवाल है कि क्या पन्ना प्रमुख ने भी पार्टी को वोट नहीं दिया ? भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़े बताते हैं कि जयपुर, सीकर, अलवर, बाड़मेर और जोधपुर ऐसे लोकसभा क्षेत्र हैं, जिनके कई बूथ पर भाजपा प्रत्याशी को शून्य वोट मिले हैं. जयपुर शहर लोकसभा क्षेत्र की हवामहल विधानसभा के बूथ नंबर 129 । पर भाजपा को शून्य वोट मिला, जबकि इसी विधानसभा की बूथ संख्या 136 । पर भाजपा को मात्र 1 वोट मिला. इसी तरह से सीकर लोकसभा क्षेत्र की दातारामगढ़ विधानसभा के बूथ नंबर 32 पर भी भाजपा को शून्य वोट मिला, जबकि इसी विधानसभा के बूथ सांख्य 114 पर भाजपा को मात्र 2 वोट मिले. अलवर शहर विधानसभा के बूथ नंबर 80 पर भाजपा को मात्र 1 वोट मिला, जोधपुर लोकसभा क्षेत्र की पोकरण विधानसभा के बूथ नंबर 2 पर भाजपा को 1 वोट मिला. भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान बाड़मेर लोकसभा सीट पर हुआ. यहां जैसलमेर विधानसभा के बूथ संख्या 45, 126 181 पर शून्य वोट मिला. इसी तरह से शिव विधानसभा सीट के बूथ संख्या 165, 173, 180 पर भाजपा को शून्य वोट मिला. वहीं, बाड़मेर विधानसभा सीट के बूथ संख्या 42 पर भाजपा को शून्य वोट मिला. दरअसल ये तो शून्य और 1 वोट के आंकड़े हैं, लेकिन 2 से लेकर 5 वोट के आंकड़े देखें तो उनकी संख्या और भी ज्यादा है. जिन बूथ पर शून्य और एक वोट मिला है या 5 से भी कम वोट मिले, वहां क्या पार्टी की ओर से चुनाव से पहले बनाए गए पन्ना प्रमुख, बूथ अध्यक्ष और बूथ समिति के सदस्यों ने भी वोट पार्टी के पक्ष में नहीं दिया? जबकि भाजपा बूथ स्तर पर पन्ना प्रमुख बनाने के बड़े-बड़े दावे कर पार्टी की ग्रास रूट पर मजबूती की बात कर रही थी। चुनाव से पहले पार्टी का दावा था कि 52 हजार बूथ एक अध्यक्ष और 16 से 18 के बीच में पन्ना प्रमुख बनाये गए हैं. इतना ही नहीं हर बूथ पर 11 सदस्यों की समिति का दावा भी किया गया था. हर बूथ पर 30-35 तो रजिस्टर्ड सदस्य हैं जो कार्यकर्ता के तौर पर काम कर रहे हैं।

ओडिशा के CM होंगे मोहन चरण माझी:क्योंझर से 4 बार के विधायक हैं; के.वी. सिंहदेव और प्रभाती परिदा डिप्टी CM होंगे

24 न्यूज अपडेट

भुवनेश्वर. मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी CM होंगे। केंद्रीय पर्यवेक्षक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में तीनों के नाम की घोषणा की।

मोहन चरण माझी क्योंझर से 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 विधानसभा में BJD वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। इसके अलावा वे 2019, 2009 और 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। कनक वर्धन सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं।

कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की है। राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिली हैं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल (BJD) को 51, कांग्रेस को 14, सीपीआईएम को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली है।

लोकसभा स्पीकर के लिए पुरंदेश्वरी के नाम की चर्चा:आंध्र भाजपा अध्यक्ष और चंद्रबाबू की पत्नी की बहन; I.N.D.I.A ब्लॉक बोला- TDP कैंडिडेट का समर्थन करेंगे

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. लोकसभा के अंक गणित और सत्ता-विपक्ष के बीच जारी खींचतान को देखते हुए स्पीकर का पद इस बार अहम हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली NDA सरकार के दो बड़े घटक दल TDP और जदयू भी इस होड़ में शामिल दिख रहे हैं।

TDP नेता एन चंद्रबाबू नायडू और जदयू नेता नीतीश कुमार को लगता है कि अगर उनकी पार्टी में तोड़फोड़ की कोशिश होगी तो स्पीकर पद उस समय जीवन बीमा होगा। I.N.D.I.A ब्लॉक ने भी कहा है कि स्पीकर पद TDP के पास जाता है, तो वे समर्थन देने को तैयार हैं।

हालांकि मोदी के दूसरे कार्यकाल में स्पीकर रहे कोटा सांसद ओम बिड़ला फिर दावेदारी में आगे हैं। उनके कैबिनेट मंत्री न बनने से अटकलें और जोर पकड़ चुकी हैं। इसी बीच भाजपा की आंध्र प्रदेश अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी का नाम भी उछला है।

पुरंदेश्वरी चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी की बहन हैं। उन्होंने नायडू का उस वक्त समर्थन किया था, जब उनकी अपने ससुर एनटी रामाराव का तख्ता पलट करने पर आलोचना हो रही थी। ऐसे में उन्हें स्पीकर बनाया जाता है, तो नायडू पर सॉफ्ट प्रेशर रहेगा। उनकी पार्टी पुरंदेश्वरी का विरोध नहीं कर पाएगी।

कम्मा समुदाय का वोट बैंक भी वजह

पुरंदेश्वरी कम्मा समुदाय से हैं। चंद्रबाबू नायडू भी इसी समुदाय के हैं। आंध्र प्रदेश की राजनीति में यह प्रभावशाली समुदाय है। कम्मा समुदाय को TDP का ट्रेडिशनल वोटर माना जाता है। साफ है कि डी पुरंदेश्वरी के बहाने भाजपा नायडू की पार्टी के परंपरागत वोट बैंक में सेंध लगाना चाहती है। बिड़ला स्पीकर बने तो रिकॉर्ड की बराबरी करेंगे, राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में भी शामिल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में पिछले कार्यकाल में लोकसभा अध्यक्ष रहे ओम बिड़ला को जगह नहीं दी गई है। माना जा रहा था कि स्पीकर का कार्यकाल पूरा करने के बाद बिड़ला को कैबिनेट में जगह मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं होने से अब उनके भविष्य को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक बिड़ला के लिए बड़ी भूमिका वाले रास्ते अभी भी खुले हुए हैं।

मलावी के उपराष्ट्रपति का प्लेन क्रैश में निधन

24 घंटे चले सर्च ऑपरेशन के बाद विमान का मलबा मिला, सभी 9 सवार मारे गए

24 न्यूज अपडेट

लिलोंग्वे. अफ्रीकी देश मलावी के उपराष्ट्रपति साउलोस क्लॉस चिलिमा की प्लेन क्रैश में मौत हो गई। मलावी के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 24 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद उपराष्ट्रपति के विमान का मलबा मिला है। एयरक्राफ्ट में 9 लोग सवार थे। इनमें से कोई जिंदा नहीं बचा। मलावी के उपराष्ट्रपति का विमान सोमवार 10 जून की सुबह ही रडार से गायब हो गया था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, एविएशन अथॉरिटी ने कई बार विमान से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। चिलिमा का एयरक्राफ्ट भारतीय समय के मुताबिक सोमवार दोपहर 2 बजकर 47 मिनट पर मलावी की राजधानी लिलोंग्वे से रवाना हुआ था। यह करीब 45 मिनट बाद मजुजू शहर के एयरपोर्ट पर उतरने वाला था। हालांकि, खराब मौसम की वजह यह लैंड नहीं हो पाया। इसके बाद विमान को वापस लिलोंग्वे ले जाने का आदेश दिया गया। इसके बाद यह विमान लापता हो गया था। विमान को ढूंढने के लिए मलावी ने अमेरिका, ब्रिटेन, नॉर्वे और इजराइल की सरकार से भी मदद मांगी थी।

10 किमी इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया

मलावी के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने सोमवार को देश को संबोधित करते हुए कहा था कि मुझे पूरी उम्मीद है कि हम विमान और उसमें सभी सवार लोगों को समय पर खोजने में सफल रहेंगे। विमान जिस रास्ते से गुजर रहा था, वहां 10 किलोमीटर के फॉरेस्ट रिजर्व में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। हादसे को देखते हुए राष्ट्रपति ने बहामास के लिए अपनी यात्रा रद्द कर दी थी।

तस्वीर में साउलोस चिलिमा अपनी पत्नी मैरी चिलिमा के साथ दिख रहे हैं। दोनों के 2 बच्चे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार हुए थे उपराष्ट्रपति

51 साल के चिलिमा पिछले 10 साल से मलावी के उपराष्ट्रपति थे। उन्हें अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार के तौर पर देखे जा रहा था। हालांकि, चिलिमा को 2022 में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

पिछले महीने पब्लिक प्रॉसिक्यूशन के डायरेक्टर की तरफ से मामले को बंद करने के लिए नोटिस दायर किया गया था। इसके बाद मलावी की एक अदालत ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप हटा दिए। चिलिमा ने हमेशा आरोपों को बेबुनियाद बताया।

संपादकीयः दहशत की बुनियाद

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों पर अंकुश लगाना चुनौती बना हुआ है। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद दहशतगर्दी में भारी कमी आई है और आतंकी संगठन कुछ इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर लगातार कुछ-कुछ अंतराल पर जिस तरह आतंकी घात लगा कर हमले कर रहे हैं, उससे इस दावे पर यकीन करना मुश्किल लगता है। आतंकवादी लगातार अपनी रणनीति बदलते देखे जा रहे हैं। वे कभी सशस्त्र बलों को निशाना बनाते हैं, तो कभी वाहरियों, कश्मीरी पंडितों को लक्ष्य बनाया जाता है। अब वहां जा रहे सैलानियों पर हमले हो रहे हैं। पिछले महीने पहलगाम में सैलानियों पर हमला किया गया था। अब कटरा जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस को निशाना बनाया गया, जिसके चलते बस खाई में गिर गई। इसमें नौ लोगों की मौत हो गई और इकतालीस से अधिक लोग घायल हैं। पर्यटन कश्मीरी लोगों की आजीविका का बड़ा आधार है। इस तरह के हमलों से पर्यटन पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे हमले नब्बे के दशक में बढ़ गए थे, मगर लंबे समय से सैलानियों को निशाना नहीं बनाया जा रहा था। अब ऐसा दिख रहा है तो इसकी वजहें भी साफ हैं। पर्यटकों पर हमले के पीछे आतंकवादी संगठनों का मकसद घाटी में बाहर के लोगों की आवाजाही रोकना होता है। बाहरी मजदूरों और कश्मीरी पंडितों को लक्ष्य बना कर हमले करने के पीछे भी उनका मकसद वही है। मगर अब जिस तरह बड़ी संख्या में सैलानियों और श्रद्धालुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उससे जाहिर है कि आतंकी लोगों में भय पैदा करना चाहते हैं। मगर इसे लेकर स्थानीय लोगों में किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दिख रही है, तो हैरानी की बात है, क्योंकि इससे उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा। पिछले दस वर्षों में बेशक पत्थरबाजी और आंदोलन वगैरह की घटनाएं कम हुई है, आतंकी हमलों में मरने वालों की संख्या भी घटी है, मगर हकीकत यही है कि दहशतगदी किसी भी रूप में कम नहीं हुई है। दस वर्ष पहले और बाद के आंकड़ों की तुलना से साफ पता चलता है कि आतंकी हमले बढ़े हैं। इस दौरान बेशक बड़ी तादाद में आतंकवादी मारे गए हैं, मगर दहशतगदों की भर्ती में भी तेजी आई है। उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन बढ़ा है। इसलिए यह स्वाभाविक ही पूछा जा रहा है कि जब सीमा पर चौकसी बढ़ी है, तलाशी अभियान तेज हुए है, दहशतगदों की वित्तीय मदद पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, तो उन्हें भर्तियां करने और साजो-सामान जुटाने में कामयाबी कैसे मिल जा रही है। पिछले दस वर्षों में जिस तरह सुरक्षाकर्मियों, सैलानियों, श्रद्धालुओं और बाहर से मजदूरी वगैरह करने गए लोगों को निशाना बना कर हत्याएं की गई हैं, उससे यह सवाल निरंतर गाढ़ा होता गया है कि आखिर यह सिलसिला कब रुकेगा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की रपट के मुताबिक ऐसे हमलों में पाकिस्तान के प्रशिक्षत दहशतगदों का हाथ होता है, स्थानीय लोग उन्हें सूचनाएं उपलब्ध कराते हैं। अगर सीमा पर चौकसी सख्त की गई है, तो फिर सीमा पार से आतंकियों की घाटी में पैठ कैसे हो पा रही है। अगर खुफिया तंत्र पहले से चौकन्ना हुआ है, तो आतंकी कैसे सेना के काफिले पर हमला कर देते हैं और पहले ही उसकी भनक नहीं लग पाती। घाटी में आतंकवाद से निपटने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है।

संघ की शक्ति

यूरोपीय संघ के चुनाव में इस बार बड़ी उलट-फेर देखने को मिली है। दक्षिणपंथी रुझान वाले दलों को शानदार कामयाबी मिली है। इसे देखते हुए जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों के सत्ताधारी दलों की घबराहट बढ़ गई है। हार की आशंका से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने तो राष्ट्रीय संसद भंग कर मध्यावधि चुनाव की घोषणा कर दी है। सत्ताईस सदस्य देशों वाले यूरोपीय संघ में जर्मनी सबसे बड़ा देश है। वहां की 'अल्टरनेटिव फार जर्मनी' पार्टी मजबूत होकर उभरी है। हालांकि उसके कई शीर्ष उम्मीदवारों के नाम घोटालों में शामिल थे, मगर उसके बावजूद पार्टी का मत प्रतिशत बढ़ा। पार्टी ने 2019 में ग्यारह फीसद मत हासिल किए थे, जो इस बार बढ़ कर साढ़े सोलह फीसद हो गए। वहीं जर्मनी के सत्तारूढ़ गठबंधन में तीन दलों का संयुक्त मत मुश्किल से तीस फीसद से ऊपर रहा। इस तरह 'अल्टरनेटिव फार जर्मनी' ने देश के चांसलर ओलाफ शोल्ज की 'सोशल डेमोक्रेट्स' पार्टी को मात देने के लिए पर्याप्त सीटें जुटा ली हैं। जर्मनी में दक्षिणपंथ के इस उभार को कुछ लोग हिटलर के नाजी उभार के रूप में देख रहे हैं। यूरोपीय संघ यूरोप के सत्ताईस देशों का संगठन है, जिसकी संसद के लिए करीब चालीस करोड़ लोग मतदान करते हैं। यही संसद यूरोपीय देशों की आर्थिक विकास, वाणिज्य-व्यापार, राजनयिक, आप्रवासन आदि से जुड़ी नीतियां तय करती है। इसलिए दुनिया के तमाम देशों की नजर इसके चुनाव पर रहती है। यूरोपीय संघ में दक्षिणपंथी रुझान वाले दलों का दबदबा बढ़ने से वाणिज्य-व्यापार, आप्रवासन आदि को लेकर कुछ देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं। दक्षिणपंथी रुझान वाली सरकारों में देखा गया है कि व राष्ट्रवादी नीतियों पर अधिक जोर देती हैं। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेन की पार्टी 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' ने चुनावों से पहले ही दक्षिणपंथी रुझान के उभार को भांप लिया था और प्रवासन और जलवायु के मुद्दे पर और अधिक दक्षिणपंथी रुख अपना लिया था, जिसके कारण यूरोपीय संसद में उनकी पार्टी अब तक की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। भारत के लिए भी इसे इसलिए चिंता का विषय माना जा सकता है कि उन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रोजगार आदि के लिए जाते हैं।

धमाके के साथ खिड़की-दरवाजे सहित उड़ते हुए नीचे आए दो लोग, दोनों की मौत

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। यहां रेती स्टेण्ड पर आज दोपहर में बारिश के दौरान अचानक आर्म्स की दुकान में ब्लास्ट हो गया और 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। धमाका इतना तेज था कि खिड़की और दरवाजों के परखच्चे उड़ गए व तेज धमाके की आवाज के बाद लोग मौके की तरफ दौड़ कर गए। सवीना थाना क्षेत्र के सब्सिडी सेंटर पर यह हादसा हुआ। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि राजेंद्र देवपुरा एंड कंपनी की बिल्डिंग में बंदूक खरीदने-बेचने और बनाने का काम होता है। दोपहर में यहां रोंद्र देवपुरा व एक अन्य व्यक्ति काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज धमाका हुआ और खिड़की दरवाजे उखड़कर उड़ते हुए रास्ते तक आ जा गिरे। धमाका बहुत ही तेज था व एक व्यक्ति का शव सीढ़ियों पर तो दूसरे का सड़क पर आ गिरा। आईजी अजयपाल लांबा, एसपी योगेश गोयल, एफएसएल, फायर ब्रिगेड आदि मौके पर आए व फिलहाल ब्लास्ट के कारणों की जांच की जा रही है। एसपी योगेश गोयल ने मीडिया को दिए बायान में कहा कि दुकान मालिक राजेंद्र देवपुरा और एक मजदूर की मौत हुई है। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाने के लिए एफएसएल की टीम यहां पहुंची है। फिलहाल सुरक्षा कारणों को देखते हुए दुकान के आसपास का इलाका सील किया गया है। शवों को एमबी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में पहुंचाया गया है। दुकान मालिक राजेंद्र देवपुरा के पास दिसंबर 2023 तक का लाइसेंस था। रिन्युअल के लिए अप्लाई कर रखा था। दुकान में किन चीजों का कितना स्टॉक था, यह तो जांच के बाद पता लगेगा। मामले में जो भी नियमानुसार कार्रवाई होगी, वह की जाएगी। बारिश के दौरान हादसा होने से सड़क पर लोग नहीं थे अन्य था और भी जनहानि हो सकती थी।

सहायक आचार्य, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं पीटीआई प्रतियोगी परीक्षा 2023 के 5 विषय की मॉडल उत्तर कुंजी जारी

24 न्यूज अपडेट

अजमेर. राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक आचार्य, पुस्तकालय अध्यक्ष और शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2023 के 5 विषय की मॉडल उत्तर कुंजी जारी की गई है। इन विषयों में स्कल्पचर, पेंटिंग्स, म्यूजियोलॉजी, जैनोलॉजी और गारमेंट प्रोडक्शन एवं एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई हैं। यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित शुल्क के साथ 12 से 14 जून को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

प्रामाणिक पुस्तकों के दें प्रमाणः आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि इन विषयों की परीक्षाओं का आयोजन 17 से 31 मार्च तक आयोजित किया गया था। आपत्ति आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्रों के क्रम के अनुसार ही प्रविष्टि करनी होगी। इन परीक्षाओं के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही प्रविष्ट करें। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं होगा. परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाते हैं, तो उन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा. आपत्ति दर्ज करने के लिए शुल्क और प्रक्रियाः गुप्ता ने बताया कि आयोग की ओर से प्रत्येक प्रश्न के लिए आपत्ति शुल्क 100 रुपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है. अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन ऑब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज कर सकते हैं. परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क 100 रुपए (अतिरिक्त शुल्क) के हिसाब से कल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे से भुगतान कर आपत्तियों को स्थाई रूप से दर्ज कराया जा सकेगा. शुल्क के अभाव में आपत्तियां स्वीकार नहीं होगी. आयोग की ओर से शुल्क वापस लौटने का प्रावधान नहीं है। आपत्तियां केवल ऑनलाइन ही स्वीकार होंगी. आयोग की ओर से शुल्क वापस लौटने का कोई प्रावधान नहीं है।

नेतागिरी जिंदाबाद : वाटर पार्क में जेसीबी चलाने वालों पर कार्रवाई करने वाले थानेदार साहब राजनीतिक दबाव के कारण हो गए लाइन हाजिर

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ के गंगरार में किंग्स वाटर पार्क में खुलेआम फिल्मी स्टाइल में बुलडोजर से तोड़फोड़ कर वहां पर मौजूद 500 लोगों में जबर्दस्त दहशत पैदा करने वालों पर कार्रवाई करना वहां के थानाधिकारी को महंगा पड़ गया है। अब गंगरार थानाधिकारी को एसपी सुधीर जोशी ने आदेश जारी कर लाइन हाजिर कर दिया। इसके पीछे प्रशासनिक कारण बताया जा रहा है मगर किसी भी घटना के बाद अगर किसी को हटाया जाता है तो यह सफाई और कारण बचकानी लगती है। बताया जा रहा है कि भाजपा नेताओं के दबाव में यह कार्रवाई की गई। आपको बता दें कि इस मामले में दोनों पक्षों के 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गंगरार थानाधिकारी मोतीराम सारण को लाइन हाजिर किया है व इसके पीछे प्रशासनिक एसपी बता रहे हैं मजे की बात है कि घटना के बाद अचानक एसपी साहब को प्रशासनिक कारण याद आ गए जो पूरे जिले ही नहीं पुलिस महकमे में भी चर्चा का विषय बन गए हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस यदि कार्रवाई नहीं करती तो क्या करती। पुलिस के लिए हालत ऐसी हो जाती है कि आगे कुआं, पीछे खाई। एक तरफ नेता, दूसरी तरफ दूसरे तरह के दबाव। वाटर पार्क में तोड़फोड़ करने में गंगरार के पूर्व प्रधान देवीलाल जाट, पूर्व सरपंच संजय वैष्णव सहित सादी और सोनियाणा गांव के कई युवकों पर आरोप है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी व दोनों पक्षों के 10 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया। इधर कल जाट समाज ने इस कार्रवाई पर विरोध जताया था। बीजेपी जिलाध्यक्ष मिठुलाल जाट और कपासन के पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने पूर्व प्रधान और उनके साथियों के खिलाफ लूट सहित अन्य बड़ी धाराओं का लगाना गलत माना और प्रदर्शन किया।

एसिड से भरा टैंकर पलटा
चंदेरिया जिंक स्मेल्टर से लाते समय हुआ हादसा, फोम टैंडर और फ्लाई ऐश डालकर किया नियंत्रित

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़ में शहर के कपासन चौराहे पर एसिड से भरा एक टैंकर पलट गया। इससे उसमे भरा एसिड रास्ते में बिखर गया। टैंकर का ड्राइवर और उसका साथी मौके से भाग छूटे। यह टैंकर हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टर से जाया जा रहा था।

हादसे की सूचना के बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर जिंक प्रशासन को सूचना दी। एक्सीडेंट किस तरह हुआ इसकी जानकारी नहीं आई। एसिड बिखरने के कारण आसपास का ट्रैफिक रोक दिया गया। एसिड के ऊपर फोम टैंडर और फ्लाई ऐश डालकर नियंत्रित किया गया और ट्रैफिक को भी वन वे किया गया। बताया जा रहा है कि ड्राइवर नशे में था। एसिड बिखरा, होने लगा गैस रिसाव दरअसल शहर के कपासन चौराहे पर हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टर से ले जाते समय एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर में एसिड भरा हुआ था। भरा हुआ एसिड सड़क पर बिखर गया और गैस रिसाव होने लगा। केमिकल से रोड खराब होने की स्थिति हो गई। एसिड के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए टीम पहुंची शहर से भीलवाड़ा, उदयपुर हाईवे पर स्थित व्यस्त चौराहा होने से हादसे का पता चलने पर प्रशासन की सांसें फूल गई। जिला प्रशासन की सूचना पर जिंक प्रबंधन की ओर से एसिड के दुष्प्रभाव को काबू में करने वाली टेक्निकल टीम मौके पर पहुंची। राहगीरों ने जब इसकी जानकारी पुलिस को दी तो मौके पर कोतवाली थाने से एएसआई जितेंद्र सिंह मय जाब्ता पहुंचा। गनीमत रही कि हादसा देर रात होने के कारण उस दौरान आसपास कोई नहीं था, जिसके कारण बड़ा हादसा टल गया। वहीं जानकारी में आया कि ड्राइवर और उसका साथी मौके से भाग निकले। बताया जा रहा है कि ड्राइवर शराब के नशे में था।

फोम टैंडर और फ्लाई ऐश डालने के बाद स्थिति अब कंट्रोल में

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी रास्तों को बंद कर दिया। हालांकि रात को ट्रैफिक ज्यादा नहीं था। लेकिन फिर भी सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर ऐतिहात के तौर पर ट्रैफिक को पूरी तरह बंद कर दिया गया। जिंक की टेक्निकल टीम ने फोम टैंडर और फ्लाई ऐश डालकर कंट्रोल करने की कोशिश की। लेकिन सुबह 11 बजे तक भी एसिड का गैस निकलता ही रहा। पुलिस ने सुबह ट्रैफिक को देखते हुए रास्ते को वन वे कर दिया। फोम टैंडर और फ्लाई ऐश डालने के बाद स्थिति नियंत्रण में हुई।

देश भर के 9 IIT में बढ़ी 355 सीटें, अब 17,740 सीटों पर मिलेगा प्रवेश

24 न्यूज अपडेट

कोटा. देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड के परिणामों के बाद अब जॉइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (JoSAA Counseling 2024) काउंसलिंग शुरू हो गई है. काउंसलिंग शुरू होने के साथ ही जोसा की ओर से मंगलवार को सीट मेट्रिक्स भी जारी कर दी गई. इस सीट मेट्रिक्स के अनुसार आईआईटी में 355 सीट इस बार बढ़ी हैं, जिन्हें मिलाकर 17,740 सीटों पर इस बार प्रवेश कैंडिडेट को दिया जाएगा ।

निजी कोचिंग इंस्टीट्यूट के करियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहुजा ने बताया कि इस वर्ष 23 आईआईटी की 295 च्वाइसेज, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपलआईटी और 40 जीएफटीआई की 570 च्वाइसेज भरने के लिए दी जा रही है. इस तरह से इस साल कुल 865 च्वाइसेज फिलिंग की जा सकेगी. आहुजा ने बताया कि गत वर्ष 23 आईआईटी की 17,385 सीटों के लिए जोसा काउंसलिंग हुई थी. इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 17,740 हो गई है. इसमें 355 सीटों का इजाफा हुआ है. इसमें आईआईटी भुवनेश्वर की 20, बॉम्बे की 12, खड़गपुर की 30, जोधपर में 50, गांधीनगर में 30, पटना में 84, गुवाहाटी में 10, भिलाई में 40, तिरुपति में 10 और धारवाड़ में 75 सीटों की बढ़ोतरी हुई है. इसके अलावा आईआईटी मद्रास में गत वर्ष की तुलना में 6 सीटों की कमी आई है, जबकि आईआईटी मद्रास में डाटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की 50 सीटें बढ़ाई गई हैं. आईआईटी खड़गपुर ने सभी 5 वर्षीय ड्युल डिग्री कोर्स बंद कर दिए हैं ।

आईआईटी खड़गपुर में बढ़ी AI की 30 सीट है : आईआईटी बॉम्बे में इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशन्स रिसर्च में 40 सीट, आईआईटी मद्रास में डाटा साइंस एण्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 50 सीटें, आईआईटी खडगपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की 30 सीटें, आईआईटी गांधीनगर में इंटीग्रेटेड सर्किट डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी में 30 सीट का इजाफा हुआ है. वहीं, आईआईटी भुवनेश्वर में इंजीनियरिंग फिजिक्स की 20 सीटें बढ़ी हैं. आईआईटी तिरुपति में इंजीनियरिंग फिजिक्स की 10, आईआईटी भिलाई की 40, आईआईटी धनबाद की 45 सीटों का इजाफा हुआ है ।

पटना में एमबीए हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट भी : आहूजा ने बताया कि आईआईटी पटना में इकोनॉमिक्स की 24, बीटेक केमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एमबीए हास्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ टैक्नोलॉजी एंड एमबीए में 5, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग 6, बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 5 सीटें बढ़ी हैं. वहीं, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग 5, इंजीनियरिंग फिजिक्स 6, मैथेमेटिक्स एंड कम्प्यूटिंग 5, मेटेलर्जिकल एंड मटिरियल इंजीनियरिंग 6, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग 6, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस 5, केमिकल इंजीनियरिंग 5, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 15, इकोनॉमिक्स एंड एमबीए में 6 सीटें बढ़ी हैं. इनमें ज्यादातर कोर्सेज एमबीए के साथ वाले हैं ।

भीलवाड़ा में स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने की हवाई फायरिंग:दो राउंड किए फायर, श्रमिक नेता था टारगेट

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा में स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने रविवार को दिनदहाड़े हवाई फायरिंग की। बदमाशों ने दो राउंड हवाई फायर किए और फरार हो गए। घटना के बाद लोगों में अफरा तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि एक श्रमिक नेता को टारगेट करते हुए फायरिंग की गई है। इस संबंध में फिलहाल पुलिस को किसी ने भी रिपोर्ट नहीं सौंपी है। मामला शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र का है। यहां रीको फोर्थ फेज में मंगलवार की दोपहर स्कॉर्पियो सवार कुछ लोगों ने सरेआम दो राउंड हवाई फायर किया। फायरिंग की घटना को अंजाम देकर बदमाश मौके से फरार हो गए। फायरिंग की घटना में किसी भी व्यक्ति के गोली लगने की सूचना नहीं है। लेकिन फायरिंग से मौके पर अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलने पर प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई।

भाई ने बहन के घर में डाला डाका, पुलिस ने 1 करोड़ 47 लाख रुपयों के साथ दबोचा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जिले के रेनवाल थाना इलाके में पुलिस ने गश्त के दौरान डेढ़ करोड़ रुपये की नकदी के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, साथ ही पुलिस को चकमा देकर तीन लोग भाग निकले. गिरफ्तार युवक अपनी बहन के घर पर रखे 1 करोड़ 47 लाख रुपये चोरी कर भाग रहा था.

रेनवाल थाना अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि खाटूश्याम जी निवासी परिवादी बंसीलाल ने खाटूश्याम जी पुलिस थाने में अपने साले सहित अन्य लोगों के खिलाफ घर से नकदी चुरा कर ले जाने का मामला दर्ज करवाया था. गश्त के दौरान पुलिस ने उसे रुपयों के साथ गिरफ्तार कर लिया. वहीं, तीन लोग मौका पाकर फरार हो गए. दरअसल, मिठडी थाना नावां निवासी महेंद्र कुमार अपनी बहन के घर खाटूश्याम जी गया, जहां किसी के नहीं होने पर अपने तीन साथियों के साथ चोरी की वारदात को अंजाम देकर घर में रखे 1 करोड़ 47 लाख 41 हजार 600 रुपये लेकर फरार हो गया. थानाधिकारी ने बताया कि सुरेंद कुमार ने बताया कि खाटूश्याम जी से रुपये चोरी कर युवक कुचामन लेकर जा रहे थे ।

इस दौरान रेनवाल थाना पुलिस ने गश्त के दौरान अनाज की बोरियों में छिपा रखे 1 करोड़ 47 लाख 41 हजार 600 रुपये जप्त कर लिए. वहीं, पुलिस ने नोटों की गिनती के लिए रेनवाल के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर नोटों की गिनती करवाई. खाटूश्याम जी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली. फिलहाल, रेनवाल और खाटूश्याम जी पुलिस गिरफ्तार युवक से बड़ी जानकारी जुटाने की कोशिश में है ।

जमीन बिक्री की बताई जा रही राशि : बहन के घर पर डाका डालकर 1 करोड़ 47 लाख 41 हजार 600 लेकर भागने वाले भाई महेंद्र कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार युवक के जीजा बंसीलाल ने बताया कि उन्होंने खाटूश्याम जी में एक साल पहले अपनी जमीन बेची थी. ऐसे में अन्य जमीन खरीदने के लिए घर पर रुपये रखे थे. साले को घर पर रुपये होने का पता था. वह अपने तीन साथियों के साथ घर में रखे 1 करोड़ 47 लाख 41 हजार 600 रुपये लेकर फरार हो गया था, लेकिन बीच रास्ते में रेनवाल थाना पुलिस ने गश्त के दौरान युवक को गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले को लेकर जांच में जुटी है ।

डिप्टी मेयर बोले- निगम में हो रहा करोड़ों का भ्रष्टाचार

ACB को लेटर लिख कहा- अधिकारी जारी कर रहे हैं फर्जी पट्टे

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जयपुर नगर निगम हेरिटेज में सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद अब डिप्टी मेयर असलम फारूकी ने निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को फारूकी ने एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) में पत्र लिखित निगम अधिकारियों के खिलाफ फर्जी पट्टों के मामले को लेकर जांच की मांग की है।

डिप्टी मेयर असलम फारूकी ने कहा कि नगर निगम के हवामहल जोन उपायुक्त करतार सिंह द्वारा मंदिर की जमीन पर व्यक्तिगत पट्टा जारी कर दिया गया है। इसको लेकर जब स्थानीय जनता ने विरोध किया। तो करतार सिंह ने आनन-फानन में इस पूरी कार्यवाही को अंजाम दे दिया।

कहा- यह एक बहुत बड़ा घोटाला

उन्होंने कहा कि जब मुझे इस बारे में पता लगा। तब मैंने इस मामले की पड़ताल की, तो पता चला कि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है। इसकी शिकायत मैंने नगर निगम के कमिश्नर से भी की। लेकिन फिर भी कोई समाधान नहीं निकाला। बल्कि, फर्जी और अवैध पट्टे जारी करने का काम करने वाला अधिकारी आज भी उसी पद पर काबिज है।

फारूकी ने कहा कि आज मैंने निगम में हो रहे घोटालों की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो में की है। ताकि सरकारी संपत्ति और मंदिर माफी की जमीन को फर्जी तरीके से ना बेचा जा सके। अगर इसके बाद भी समाधान नहीं निकला। तो जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करूंगा। लेकिन नगर निगम में हो रहे फर्जीवाडे को बंद करके ही दम लूंगा।

डिप्टी मेयर फारुकी ने बताया कि उपायुक्त हवामहल आमेर जोन द्वारा फर्जी दस्तावेजो से मंदिर का पटटा किसी दिपक कुमार शर्मा के नाम जारी कर दिया गया है। जबकि देवस्थान विभाग द्वारा हवामहल निगम उपायुक्त को पत्र दिया गया। जिसमें उक्त भूमि श्री ठाकुर जी का मंदिर होना बताया गया और उसका विक्रय पत्र पंजीयन होने से रोकने और जांच के लिए लिखा गया। लेकिन उपायुक्त हवामहल जोन करतार सिंह ने सभी आदेशों की अवहेलना कर दिपक कुमार शर्मा (फर्जी पटटा धारक) को भवन और दुकान मरमत की स्वीकृति जारी कर दी।

गहलोत सरकार में जारी 9 लाख पट्टों का होगा रिव्यू:यूडीएच मंत्री बोले-गड़बड़ी की शिकायतें मिलीं, अफसरों पर एक्शन होगा; निगमों का सीमांकन फिर से

24 न्यूज अपडेट

जयपुर.भजनलाल सरकार ने गहलोत सरकार के कार्यकाल में 'प्रशासन शहरों के संग अभियान' में जारी 9 लाख से ज्यादा पट्टों का रिव्यू करवाने का निर्णय लिया है। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि पिछली सरकार में 'प्रशासन शहरों के संग अभियान' में बड़ी संख्या में मकानों के पट्टे जारी किए गए थे। इसमें बड़ी गड़बड़ी की शिकायतें सामने आ रही थीं। ऐसे में सरकार के स्तर पर अब जल्द ही पूर्व में जारी किए गए गलत पट्टों का रिव्यू किया जाएगा। खर्रा ने कहा- इसको लेकर ही जल्द ही आम जनता से शिकायतें मांगी जाएंगी। उसके आधार पर आला अधिकारियों की देखरेख में पट्टों की जांच की जाएगी। खर्रा मंगलवार को सचिवालय में एंपावर्ड कमेटी की बैठक में शामिल हुए थे।

यूडीएच मंत्री ने कहा- अगर जांच में अनियमितता या

गड़बड़ पाई जाती है तो संबंधित पट्टे को निरस्त कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही वर्तमान में भी प्रदेशभर में पट्टों को लेकर काफी प्रकरण लंबित चल रहे हैं। ऐसे में प्रशासन शहरों के संग अभियान को आगे बढ़ाने को लेकर जल्द रिव्यू कर अंतिम फैसला किया जाएगा। नगर निकायों का सीमांकन फिर से होगा

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रदेशभर के सभी नगर निकायों का सीमांकन फिर से किया जाएगा। अगर जरूरत पड़ी, तो विस्तार भी किया जाएगा। अगर पूर्व में कहीं कोई गलत सीमांकन हुआ है, तो उसमें सुधार भी किया जाएगा। गहलोत सरकार में 9.33 लाख पट्टे हुए थे जारी राजस्थान में प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत पिछली सरकार ने 10 लाख पट्टे जारी करने का लक्ष्य रखा था। 9 लाख 33 हजार 258 पट्टे जारी किए गए थे। इनमें प्राधिकरण और नगर सुधार न्यासों ने 2 लाख 97 हजार 498 तथा नगर निगम, पालिका और परिषदों ने 6 लाख 35 हजार 760 पट्टे जारी किए थे।

इसको लेकर आम जनता से मिल रही शिकायतों के बाद जल्द ही स्वायत्त शासन विभाग सार्वजनिक सूचना जारी कर पूर्व में जारी हुए पट्टों पर आपत्ति मांगेगा। उसके आधार पर स्वायत्त शासन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इस पूरे मामले की जांच करेंगे।

मेटा अलर्ट का कमाल, सुसाइड की रील अपलोड करते ही पुलिस पहुंच गई बच्चे के घर, बचाई जान

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. कोटा संवाददाता। कोटा के सांगोद में में एक नाबालिग ने इंस्टाग्राम पर रील डाल कर कहा कि जान दे दूंगा। इस संदेश को तुरंत मशीनों ने पढ़ लिया और पुलिस को अलर्ट भेज दिया। पुलिस भी बिना देर किए बच्चे के घर पर पहुंच गई और बच्चे की जान बचा ली। बच्चे ने सोशल मीडिया पर रील अपलोड करने की बात लिखी थी। मेटावर्स ने कोटा पुलिस को इसकी जानकारी जल्दी से दे दी। इस पर कोटा पुलिस ने आईपी एड्रेस के आधार पर बच्चे को ढूंढकर उसके घर जाकर काउंसलिंग की तथा परिवारजनों को हिदायत दी कि बच्चे पर नजर बनाए रखें। आपको बता दें कि राजस्थान पुलिस ने प्रदेश के लोगों और स्टूडेंट के तनाव व सुसाइड की प्रवृत्ति को जानने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ साझा गठजोड़ किया है जिसमें सूचनाओं का त्वरित आदान प्रदान होना हैं। इसमें मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम से पुलिस को मदद मिल रही है। इस कोलिब्रेशन में यह बात है कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अवसाद, सुसाइड या तनाव से संबंधित कोई जानकारी डालता है तो उसके संबंध में नोटिफिकेशन पुलिस को मिल जाता है। सांगोद मामले में बच्चे ने सोशल मीडिया पर रील अपलोड की थी। उस रील की भाषा के आधार पर उसे इस केटेगरी में रखा गया था। बालक को उम्मीद नहीं थी कि उसके रील अपलोड करने के बाद पुलिस उसको खोजती हुई घर आ जाएगी। पुलिस को कल शाम 4 बजे के आसपास अलर्ट मिला था व पुलिस केवल 45 मिनट के अंतराल में ही बालक को खोजते हुए उसके पास पहुंच गई। बालक इस दौरान अपना मोबाइल बंद कर झाड़ियों में जाकर छुप गया था मगर वह पकड़ा गया।

75 करोड़ का काम, एक बारिश में ये आलम

मानसून में सोच लीजिए अंजाम-ए गुलिस्तां क्या होगा? प्रशासन और नेता तैयार रहे जवाब देने के लिए

24 न्यूज अपडेट

आयड़ नदी में जनता का करोड़ों का पैसा जल्दी ही पानी में नजर आने वाला है और इसकी एक झलक आज प्री मानसून में ही देखने को मिल गई है। आज आयड़ नदी के आनंद प्लाजा वाले छोर पर बारिश के पानी के बहाव को भी नदी के बीच बनी नहर नहीं झेल सकी और पानी का फैलाव आस-पास क सौंदर्यीकरण वाले आयड़ रिवर ब्यूटिफिकेशन प्रोजेक्ट के स्ट्रक्चर में हो गया। यह तो ट्रेलर है, जब पानी का बहाव आएगा तब क्या होगा यह सवाल पूरा शहर पूछ रहा है और इसका जवाब आज नही ंतो पानी के बहाव वाले दिन जिला प्रशासन और निरीक्षण के लिए आने वाले नेताओं को देना ही होगा। आज पानी को जेसीबी की मदद से रास्ता बना कर आगे बढाया गया। यह दृश्य खुद सवाल खड़े कर रहा है कि मानसून में इस गुलिस्तां का क्या होगा। यह तथ्य बहुत खास है कि आयड़ नदी के पानी से उदयसागर झील पिछले 3-4 सालों में हर बार ओवरफ्लो हो रही है। नदी के पानी में साल दर साल वृद्धि हो रही है। फतहसागर झील की कुल जल संग्रह क्षमता 1.209 करोड़ घन मीटर है। पिछले पांच सालों में 19 फतहसागर के बराबर पानी उदयसागर बह चुका है। आयड. नदी की कुल लंबाई 16 किलोमीटर है। अभी इसमें से 5 किलोमीटर पर 75 करोड का खर्चा कर सौदर्यीकरण के काम हो रहे हैं। नदी को संवारने का यह काम पहले यह काम मार्च में पूरा होना था। फिर अप्रेल तक पूरा करने की बात कही गई। यहां पर नदी के किनारों को कृत्रिम रूप से सौंदर्यीकृत किया जा रहा है। सदा नीरा बनाए रखने के लिए नदी के बीच एक नहर बनाई गई है ताकि बारिश के बाद और खासकर गर्मी में इसमें पानी का बहाव बना रहे। लेकिन कोई यह नहीं बता रहा है कि बारिश के दौरान ऐसा कौनसा जादू है कि पानी इसी नहर से बहकर निकलेगा। आस पास के करोडों के कामों का नुकसान नहीं होगा। प्राकृतिक बहाव से छेड़छाड़ व पक्के निर्माण को लेकर झील प्रेमी शुरू से ही लगातार विरोध कर रहे हैं। नदी के बीचों बीच 30 फीट (9 मीटर) चौड़ी नहर आखिर कैसे इतना पानी झेलेगी। यहां पर पगडंडी रास्ते व पत्थर के पास घास वाले हिस्से में पौधे लगाने हैं। बैठने के लिए कई जगह बैंच लगेगी। नदी के अधिकांश हिस्से में हाइमास्ट लाइटें लगाने की तैयारी है। कुछ जगह तो लग चुकी है।

भारतीय सिन्धु सभा ने किया होनहार बच्चों का सम्मान

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। सिन्धी समाज मे जिन बच्चों ने 9वीं से 12वीं कक्षा किसी भी श्रेणी मे पास की है उसको आगे अपने केरियर के बारे मे जानकारी देते हुए केरियर काउंसलिंग का कार्यक्रम संपन्न हुआ। सिन्धु सभा के संभाग प्रभारी प्रकाश फूलानी ने बताया कि प्रतापनगर सिन्धी पंचायत समिति एवं भारतीय सिन्धु सभा की सहभागिता से हृरदय मिलन गार्डन प्रतापनगर मे आयोजित किया गया ,जोधपुर से आये प्रोफेसर डा प्रदीप गेहानी ने केरियर के विभिन्न क्षेत्रों के बारे मे समझाया।खेरथल से आये प्रिंसीपल गिरधारी लाल ज्ञानानी ने कहा कि औसत अंक वाले बच्चों को शिक्षा एवं नर्सिंग केरियर मे प्रयास करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल वाधवानी ने बताया कि पूरे प्रदेश मे इस पखवाड़े के दौरान इस प्रकार के सेमिनार आयोजित किये जा रहे है। उन्होंने विद्यार्थियों को आर,ए, एस, आईं एएस बनने के टिप्स दिए। इस अवसर पर बच्चों ने सिन्ध की संस्कृति पर आधारित गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किये। संस्कार शिविर में भाग लेने वाले 40 बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रतापनगर सिन्धी पंचायत के अध्यक्ष उमेश मनवानी सिन्धु सभा के प्रदेश संरक्षक सुरेश कटारिया महानगर अध्यक्ष गुरमुख कस्तुरी उपाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश मंगवानी, विकी राजपाल ,किशन अछवानी, भगवान सचदेव ,ज्ञानेंद्र ज्ञानी, रमेश दतवानी ,राजेन्द्र भुटानी, नरसिंह माधवानी आदि उपस्थित थे।

बांसवाड़ा में मेडिकल कॉलेज का निर्माण 4-साल बाद भी अधूरा:पीएम ने 2021 में किया था शिलान्यास; कलेक्टर बोले- ठेकेदार कर रहा देरी

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में बांसवाड़ा में जिस मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया था, वहां अभी तक निर्माण कार्य ही चल रहा है। कॉलेज का काम अभी तक पूरा नहीं हो पाया है और न ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो सकी है।

दरअसल, 6 साल पहले जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली थी, जिसकी लागत करीब 325 करोड़ रुपए है। इसी कॉलेज के साथ प्रदेश में 5 अन्य कॉलेजों का भी शिलान्यास किया गया था। उन सभी सेशन शुरू हो चुके है। इसके बावजूद बांसवाड़ा में अभी तक जनजाति युवाओं को कॉलेज का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मामले में ठेकेदार की ओर से निर्माण कार्य में की जा रही देरी को प्रमुख वजह माना जा रहा है। मंगलवार को कलेक्टर इंद्रजीत यादव निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे, जहां उन्होंने काम में ढिलाई बरतने के कारण ठेकेदार को फटकार लगाई। डॉ. यादव ने कहा कि इस सत्र से कॉलेज में फर्स्ट ईयर का सेशन शुरू हो जाएगा।

पहली-दूसरी मंजिल पर फीनिशिंग का लेवल कॉलेज की पहली और दूसरी मंजिल पर काम फीनिशिंग लेवल पर है जहां लेबर थियेटर और लैबोरेटरी का काम चल रहा है। इंजीनियर ने बताया कि जून अंत या जुलाई की शुरुआत तक काम पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि जो हॉस्पिटल विंग है, उसका काम सही नहीं हो रहा और धीमी गति से चल रहा है। इसके लिए XEN आरएसआरडीसी को निर्देश दिए हैं कि काम में गति लाए, जिससे निर्धारित समय पर काम पूरा हो सके।

3 फ्लोर का एकेडमिक ब्लॉक, 7 फ्लोर की हॉस्टल निर्माण कार्य की रफ्तार को ध्यान में रखते हुए 2024-25 से कॉलेज में सत्र शुरू होने की संभावना है। पहले सत्र में प्रथम वर्ष के लिए 100 सीटों पर प्रवेश की स्वीकृति मिल सकती है। मेडिकल कॉलेज के साइट प्लान के अनुसार एकेडमिक ब्लॉक 3 फ्लोर का होगा। वहीं 7 फ्लोर के बॉयज और गर्ल, इंटर्न के हॉस्टल बनाए जाएंगे। 4 ब्लॉक में ग्रांउड फ्लोर पर 600 की क्षमता का मेस भी बनाया जाएगा।

मस्तान बाबा दरगाह के पास लगी बकरा मंडी, उमड़ रहे खरीदार, 15 हजार से 80 हजार रुपये तक के बकरे

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। उदयपुर के बाजारों में बकरीद की रौनक है तो शहर के मस्तान बाबा स्थित बकरा मंड़ी में खरीदारों की भारी भीड़ है। बकरीद को लेकर मंडियों में बकरों को बेचने के लिए दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। ऐसे में ईद के दिन बकरों की कुर्बानी के लिए बकरों को खरीदा और बेचा जा रहा है। बकरा विक्रताओ के मुताबिक़ बकरों की अच्छी बिक्री हो रही है। इस बार बकरों के दाम भी काफी ज्यादा हैं। एक बकरे की कीमत 15 हजार से 80 हजार रुपये तक है। वहीं दुम्बे प्रजाति के बकरे की कीमत ज्यादा है। गौरतलब है कि ईद अल-अज़हा जिसे हम बकरीद के नाम से भी जानते हैं वो इस साल 17 जून को है। ईद अल-अज़हा पर बकरे एवं दुंबों की कुर्बानी दी जाती है।

मानसून के साथ ही लेकसिटी में आया पतंग का मौसम, निर्जला एकादशी पर खूब उड़ेंगी पतंगें, बाजार में हो रही अच्छी ग्राहकी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। मेवाड़ में परम्परा है कि यहां निर्जला एकादशी को पतंग उडाई जाती है। मकर संक्रांति पर केवल दान और पुण्य का ही जोर रहता है। निर्जला एकादशी के मौके पर इस बार भी आसमान में सतरंगी पतंगें लहराएंगी व इसके लिए दुकानदारों ने भी तैयारी कर ली है। उदयपुर में इस बार विभिन्न प्रकार की पतंगों की खूब डिमांड है। मौसम बदलते ही बाजारों में रौनक भी बढ गई है। आकर्षक रंग और डिजाइन की पतंगें उड़ान भरने को तैयार है। छुट्टियों के कारण पर्व का उत्साह दुगना हो गया है। इस वर्ष निर्जला एकादशी का पर्व 17 जून को मनाया जाएगा.। शहर की प्रमुख पतंग की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ जुट रही है। दुकानदारों ने विभिन्न राज्यों से आकर्षक डिजाइन की पतंगें मंगवाई है। उदयपुर के देहलीगेट स्थित सलीम पतंग मर्चेंट के संचालक सलीम ख़ान ने बताया कि निर्जला एकादशी को ध्यान में रखते हुए इस बार गुजरात, महाराष्ट्र और कोलकत्ता से विभिन्न आकर्षक डिजाइन की पतंगों को मगवाया गया है। प्लास्टिक पन्नी के साथ ही कागज की पतंग को काफी ज्यादा पसंद की जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि चायनीज मांझे का कांसेप्ट पंजाब में था क्योंकि वहां पर बड़ी-बड़ी पतंगें उड़ाते हैं। इन पतंगों के लिए चायनीज मांझे की जरूरत पड़ती थी। उदयपुर में चायनीज मांझा ना तो आता है ना ही मंगवाया जाता है। सरकार ने इस पर रोक लगा कर बहुत ही अच्छा काम किया।

खेलते-खेलते तीसरी मंजिल से गिर गई बच्ची, गंभीर घायल, गुजरात में भर्ती

24 न्यूज अपडेट

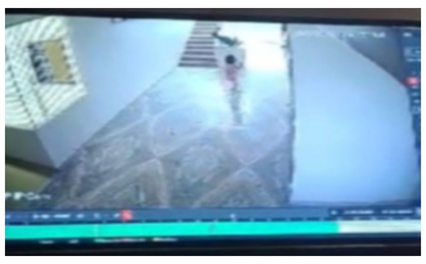

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। डूंगरपुर के गोकुलपुरा के कुबरे हाइट्स में रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में दो बच्चियां खल रही थीं। खेलते हुए दोनों दौड़ लगा कर आईं और एक बच्ची सीढियों के पास लगे पाइप को पकड़ कर झुकी। उसका बैलेंस बिगड़ा और सीधे नीचे जा गिरी। बच्ची तीसरी मंजिल से गिर गई। उसके सिर और शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। गंभीर हालत में उसको गुजरात के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया गया कि निशिका जोशी पुत्री विशाल जोशी एक बच्ची के साथ खेल रही थी। निशिका रेलिंग के पास दौड़ते हुए गई और पैर फिसल गया जिससे वह तीसरी मंजिल से नीचे गिर गई। बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर कॉम्प्लेक्स के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। बच्ची के सिर और शरीर पर कई जगह गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। गंभीर हालत में बच्ची को लेकर अस्पताल गए व वहां से गुजरात के लिए रवाना हुए।

24 न्यूज अपटेड

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें

YouTube

हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।